भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
16.08.2012 को राज्य सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 628

देश में यूरेनियम संसाधन

628. श्री पलवई गोवर्धन रेड्डी:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आंध्र प्रदेश के पास देश में सर्वाधिक यूरेनियम संसाधन हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त भंडारों की खोज कब की गई; और

(घ) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय द्वारा इसकी खोज करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय
(श्री वी. नारायणसामी)

(क) जी, हाँ। परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का एक संघटक यूनिट है द्वारा, यूरेनियम के लिए किए गए सर्वेक्षण तथा अन्वेषण के परिणामस्वरूप, जून, 2012 की स्थिति के अनुसार, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में, *स्वस्थाने* यूरेनियम ऑक्साइड (U_3O_8) की 93,492 मीटरी टन मात्रा का पता लगाया गया है, जोकि भारत में अब तक पता लगाए गए कुल *स्वस्थाने* भंडारों का 50.69% है।

(ख) आंध्र प्रदेश में पता लगाए गए *स्वस्थाने* भंडारों का ब्यौरा नीचे दिया जा रहा है:

जिला	**निक्षेप स्थल का नाम**	**पता लगाए यूरेनियम स्रोत (U_3O_8 मीटरी टन)**
कुडप्पा	तुम्मलापल्ली रचकुंटापल्ली	72,181
नालगोंडा	लम्बापुर	1,450
	पेड्डागट्टू	7,585
	चित्रियाल	9,515
गुंटूर	कोप्पुनूरू	2,761
कुल		**93,492**

(ग) तुम्मलापल्ली-रचकुंटापल्ली में यूरेनियम खनिजीकरण की खोज वर्ष 1986 में की गई थी। लम्बापुर में खनिजीकरण की खोज वर्ष 1991 में की गई थी। पेड्डागट्टू, चित्रियाल और कोप्पुनूरू में खनिजीकरण की खोज क्रमश: वर्ष 1993, 1995 और 1997 में की गई थी।

(घ) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, विस्तार ब्लॉकों में अतिरिक्त संसाधनों को प्रमाणित करने के लिए पहले ही अन्वेषण कार्य कर चुका है।

****